अनाथ शब्द में एक प्रश्नवाचकता अन्तर्निहित है । एक अनाथ बच्चे के मन में अनिश्चित भविष्य के काले बादल मंडराते रहते हैं । वे समाज के हाशिये पर होते हैं, समाज की नजरों में निरीह और बेचारे । अनाथ बालिकाओं के मर्म को इंगित करती है यह कविता ।

अनाथाश्रम की लड़कियां

❑ **प्रेमचन्द गांधी**

अनाथाश्रम की लड़कियां
पढ़ने जाती हैं स्कूल
आश्रम में 'अम्मा'
सिखाती हैं उन्हें
रसोई - सिलाई कढ़ाई के काम

स्कूल में पढ़ते हुए
सोचती रहती हैं वे
क्यों पढ़ें ?
किसके लिए पढ़ें ?
कौन देगा शाबासी
अच्छे अंकों से पास होने पर
किसके लिए करनी है नौकरी
जीवन व्यर्थ है

हाथ में सुई धागा लिये
वे सीती रहती हैं कुछ न कुछ
वह सुई धागा कहां है
जिससे सिला जा सके
जीवन का दुर्भाग्य ? ◆